

केस अध्ययन प्रश्नों के उत्तर

1. धनो को 30 नवम्बर को सुबह 8:20 पर बच्चा पैदा हुआ। प्रसव के समय 8 माह 5 दिन का गर्भकाल पूरा हो चुका था। शिशु का वजन 1 कि. 950 ग्रा. था। शिशु पहले 6 दिनों तक बिल्कुल ठीक था। सातवें दिन जब आशा वहाँ गई, उसने पाया कि शिशु ने स्तनपान करना बंद कर दिया है और उसका पेट फूला हुआ है। उसकी साँस तो ठीक चल रही थी, पर उसका रोना कमजोर था। उसका वजन 1 कि 900 ग्रा. था।

आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया, क्योंकि शिशु ने दूध पीना बंद कर दिया था और उसका पेट फूला हुआ था।

आप सबसे पहले क्या करेंगी ?

माता-पिता को बताएँगे कि शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) है जो कि एक भयंकर प्रकार का संक्रमण है। इसके लिए उसे अस्पताल ले जाना चाहिए। यदि माता-पिता उसे अस्पताल नहीं ले जा सकते, तो आशा घर पर ही पीने की दवा देकर उसका इलाज कर सकती हैं। माता-पिता को यह भी बताया जाना चाहिए कि इलाज के बाद भी शिशु मर सकता है और आशा इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

शिशु का क्या उपचार किया जाएगा ?(कितनी खुराक/कितने दिन)

कोट्रिमाॅक्सेजोल 1/4 चम्मच दिन में दो बार 10 दिन तक

आप शिशु को देखने कितनी बार जाएँगी ?

दिन में दो बार, 10 दिन तक

आप माता-पिता को शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में क्या बताएँगी ?

1. शिशु के शरीर को गर्म रखें।
 2. 2-2 घंटे बाद स्तनपान कराएँ।
 3. शिशु में खतरे वाले लक्षण देखते रहें और यदि उसकी हालत और खराब हो जाए तो तुरंत आशा को बुलाएँ।
2. विमल ने जन्म के अनुमानित समय से 1 हफ्ते बाद शिशु को जन्म दिया। उसका वजन 2.9 कि.ग्रा. था। वह तन्दुरुस्त और स्वस्थ था। आशा ने विमल को उसे स्तनपान कराने में मदद की और 1 घंटे पर उसकी जाँच की। दसवें दिन माँ ने बताया कि शिशु ठंडा पड़ रहा है। उसका तापमान 93° फ़ै (33.9° सें) पाया गया। उसका वजन 3 कि.ग्रा. था। वह दूध भी पी रहा था और रो भी रहा था, पर उसकी छाती अंदर को धँसी थी। उसका पेट मुलायम था और हाथ-पैर भी ठीक थे। उसकी नाल ठीक हो चुकी थी। आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

आप सबसे पहले क्या करेंगी।

माता-पिता को बताएँगे कि शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) है। उन्हें सलाह देंगे कि शिशु को अस्पताल ले जाएँ। यदि ऐसा करना संभव न हो तो बताएँ कि घर पर ही शिशु का इलाज हो सकता है। माता पिता से सन्मान पूर्वक बर्ताव करें, पर उन्हें स्थिति की गंभीरता के बारे में अवश्य जानकारी दें।

आप क्या उपचार देंगी ?

कोट्रिमाॅक्सेजोल 1/4 चम्मच दिन में दो बार, 7 दिन तक

जाने से पहले आप माता-पिता को क्या-क्या बताएँगी ?

1. शिशु के शरीर को गर्म रखें।
2. 2-2 घंटे पर स्तनपान कराएँ।
3. शिशु में खतरे के लक्षण देखती रहें और यदि उसकी हालत और बिगड़ने लगे, तो तुरंत आशा को बुलाएँ।

आप कितनी बार शिशु को देखने जाएँगी ?

दिन में दो बार 7 दिन तक

3. काजूबाई को चौथा बच्चा होने वाला था।

शिशु का जन्म 7 महीने 27 दिन के गर्भकाल पूरा होने पर हुआ और उसका वज़न 1.65 कि.ग्रा. था।

शिशु ने 14 दिन तक स्तनपान नहीं किया।

पन्द्रहवें दिन उसने स्तनपान किया।

सत्रहवें दिन शिशु को दो बार उल्टी हुई पर वह स्तनपान करता रहा। वह ठंडा नहीं पड़ा था और ठीक से रो भी रहा था। अठ्ठाइसवें दिन उसका वज़न 2.250 कि.ग्रा. हो गया था। आशाने दूसरे महीने में शिशु के घर जाना जारी रखा और उसका वज़न बढ़ाने की और अधिक कोशिश की।

पैंतालीसवें दिन शिशु के हाथ और पैर लुंज पुंज थे और माँ ने बताया कि शिशु का शरीर छूने पर ठंडा लगता है। आपने उसका तापमान लिया और 94° फ़ै (34.4° सें) पाया और आशा ने सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान किया।

शिशु में जन्म के समय खतरे वाले क्या लक्षण दिखाई दिए ?

समय से पूर्व जन्मा। कम वज़न का और स्तनपान नहीं कर पा रहा।

सेप्सिस (जन्तुदोष) की पहचान के लिए कौन से मापदण्ड (लक्षण) ध्यान में रखे गए ?

शिशु के हाथ और पैर लुंज पुंज और शरीर ठंडा (हाइपोथर्मिया)

आप माता-पिता को समस्या के बारे में कैसे समझाएँगी ?

माता-पिता को बतायेंगे कि शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) है जोकि एक गंभीर प्रकार का संक्रमण है। उन्हें सलाह देंगे कि शिशु को अस्पताल ले जाएँ। यदि ऐसा करना संभव न हो तो बताएँ कि घर पर ही शिशु का इलाज हो सकता है।

उपचार के लिए आप कितनी खुराक देंगी और कितने दिनों तक ?

कोट्रिमॉक्सेजोल 1/4 चम्मच दिन में दो बार, 10 दिन तक

शिशु की घरेलू देखभाल के बारे में आप माता-पिता को क्या बताएँगी ?

शिशु को जन्म से ही खतरे वाले लक्षण हैं। नीयत समय से पूर्व जन्में शिशुओं की ज़्यादा देखभाल करनी पड़ती है। इसे सेप्सिस (जन्तुदोष) भी हो गया है अतः निम्न बातों का ध्यान रखें :

1. शिशु का शरीर गर्म रखें।
2. उसे 2-2 घंटे पर स्तनपान कराएँ।
3. उसमें खतरे वाले लक्षण देखती रहें और यदि हालत अधिक बिगड़े , तो तुरंत आशा को बुलाएँ।